विषयानुक्रमणिका

प्रथम अध्याय

समाज एवं सांस्कृतिक संचेतना

1.1 समाज

1.1.1 समाज शब्द का व्युत्पत्तिगत अर्थ

1.1.2 समाज का अर्थ

1.1.3 समाज का स्वरूप

1.1.4 समाज की परिभाषा

1.2 संस्कृति

1.2.1 संस्कृति शब्द का व्युत्पत्तिगत अर्थ

1.2.2 संस्कृति का अर्थ

1.2.3 संस्कृति का स्वरूप

1.2.4 संस्कृति की परिभाषा

1.3 चेतना

1.3.1 चेतना की परिभाषा

1.4 समाज में सांस्कृतिक संचेतना

1.5 सांस्कृतिक संचेतना के विभिन्न घटक

1.5.1 आश्रम व्यवस्था

1. ब्रह्मचर्याश्रम
2. गृहस्थाश्रम
3. वानप्रस्थाश्रम
4. संन्यासाश्रम

1.5.2 संस्कार

1. गर्भधान संस्कार
2. पुसवन संस्कार
3. सीमन्तोन्नयन संस्कार
4. जातकर्म संस्कार
5. नामकरण संस्कार
6. निष्क्रमण संस्कार
7. अन्नप्राशन संस्कार
8. चूडाकर्म संस्कार
9. कर्णवेध संस्कार
10. उपनयन संस्कार
11. वेदारम्भ संस्कार

12. समावर्त्तन संस्कार

13. विवाह संस्कार

14. वानप्रस्थ संस्कार

15. सन्यास संस्कार

16. अन्त्येष्टि संस्कार

1.5.3 धर्म

1.5.4 त्यौहार

1.5.5 खानपान

1.5.6 वेषभूषा

1.5.7 भाषा

1.5.6 सांस्कृतिक संचेतना के सामाजिक मूल्य

1.5.7 सांस्कृतिक संचेतना के धार्मिक मूल्य

अध्याय-2

सामाजिक-सांस्कृतिक उपन्यासों की पृष्ठ-भूमि

2.1 हिंदी गद्य का विकास

2.1.1 आधुनिक काल के पूर्व गद्य की अवस्था

2.1.2 आधुनिक काल का गद्य

2.1.3 खड़ी बोली गद्य के विकास में भारतेन्दु का योगदान

2.1.4 खड़ी बोली गद्य के विकास में द्विवेजी का योगदान

2.2 हिंदी उपन्यास का विकास

2.2.1 'उपन्यास' शब्द का अर्थ एवं व्युत्पत्ति

2.2.2 उपन्यास का स्वरूप

2.2.3 उपन्यास की परिभाषा

2.2.4 उपन्यास के विविध प्रकार

2.2.4.1 अनूदित उपन्यास

2.2.4.2 तिलस्मी-ऐयारी उपन्यास

2.2.4.3 जासूसी उपन्यास

2.2.4.4 सामाजिक उपन्यास

2.2.4.5 ऐतिहासिक उपन्यास

2.2.4.6 मनोवैज्ञानिक उपन्यास

2.2.4.7 आंचलिक उपन्यास

2.2.4.8 राजनीतिक उपन्यास

2.3 हिंदी उपन्यास के विकास के चरण

2.3.1 हिंदी का प्रथम उपन्यास

2.3.2 हिंदी उपन्यास की पृष्ठभूमि

2.3.2.1 भारतेन्दुयुगीन उपन्यासों की पृष्ठभूमि

- प्रमुख उपन्यासकार

1. लाला श्री निवासदास
2. किशोरीलाल गोस्वामी
3. बालकृष्ण भट्ट
4. देवकीनंदन खत्री
5. गोपालराम गहमरी
6. मेहता लज्जाराम शर्मा
7. राधाकृष्णदास
8. ठाकुर जगमोहन सिंह

2.3.2.2 द्विवेदीकालीन उपन्यासों की पृष्ठभूमि

- प्रमुख उपन्यासकार

1. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध

2. श्री लज्जाराम शर्मा

3. किशोरीलाल गोस्वामी

4. देवकीनन्दन खत्री

5. गोपाल गहमरी

6. ब्रजनन्दन सहाय

7. दुर्गाप्रसाद खत्री

8. गंगाप्रसाद गुप्त

2.3.2.3 प्रेमचन्दकालीन उपन्यासों की पृष्ठभूमि

- प्रमुख उपन्यासकार

1. प्रेमचन्द
2. जयशंकर प्रसाद
3. विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'
4. पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
5. ऋषभचरण जैन
6. इन्द्र विद्यावाचस्पति
7. भगवतीचरण वर्मा
8. जैनेन्द्र कुमार
9. वृन्दावनलाल वर्मा

10. भगवतीप्रसाद बाजपेयी

11. सियारामशरण गुप्त

12. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

13. गोविन्दवल्लभ पंत

14. प्रतापनारायण श्रीवास्तव

2.3.2.4 प्रेमचन्दोत्तरकालीन उपन्यासों की पृष्ठभूमि

- प्रमुख उपन्यासकार

1. जैनेन्द्र कुमार
2. अज्ञेय
3. इलाचन्द्र जोशी
4. डॉ. देवराज
5. यशपाल
6. फणीश्वरनाथ 'रेणु'
7. उदयशंकर भट्ट
8. प्रभाकर माचवे
9. नागार्जुन
10. रामेश्वर शुक्ल 'अचल'
11. प्रतापनारायण श्रीवास्तव

12. वृन्दावनलाल वर्मा

13. चतुरसेन शास्त्री

14. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

15. राहुल सांकृत्यायन

16. राजा राधिकारमण प्रसादसिंह

17. भगवतीचरण वर्मा

18. डॉ. रांगेय राघव

19. राजेन्द्र यादव

अध्याय-3

वृन्दावनलाल वर्माः व्यक्तित्व एवं कृतित्व

3.1 व्यक्तित्व

3.1.1 जन्म

3.1.2 परिवार

3.1.3 बचपन

3.1.4 शिक्षा

3.1.5 साहित्य प्रेमी

3.1.6 कुश्ती एवं व्यायाम प्रेमी

3.1.7 यात्रा एवं शिकार प्रेमी

3.1.8 संगीत एवं कला प्रेमी

3.1.9 साहित्य सृजन की प्रेरणा

3.2 कृतित्वः

3.2.1 उपन्यास

3.2.2 नाटक

3.2.3 कहानियाँ

3.2.4 एकांकी

3.2.5 आत्मकथा

3.2.6 स्फुट (लोकगीत)

3.2.7 गद्य-काव्य

3.2.8 अप्रकाशित रचनाएँ

3.2.9 पुरस्कार

चतुर्थ अध्याय

वृन्दावनलाल वर्मा के उपन्यास साहित्य में सामाजिक संचेतना के अभिव्यक्ति

4.1 उपन्यासों में समाज का स्वरूप

4.1.1 जाति

4.1.2 छुत-अछूत

4.1.3 पुलिस

4.1.4 न्याय

4.1.5 सहकारी जीवन

4.1.6 दाम्पत्य जीवन

4.1.7 परिवार

4.1.8 नारी जीवन की समस्याएँ

4.1.8.1नारी स्वातंत्र्य की समस्या

4.1.8.2 दहेज प्रथा

4.1.8.3 बहुविवाह

4.1.8.4 अनमेल विवाह

4.1.8.5 दासी प्रथा

4.1.8.6 विधवा प्रथा

4.1.8.7 सती प्रथा

4.2 उपन्यासों में आर्थिक पृष्ठभूमि

4.3 उपन्यासों की धार्मिक पृष्ठभूमि

4.4 उपन्यासों की राजनीतिक पृष्ठभूमि

पंचम अध्याय

वृन्दावनलाल वर्मा के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक संचेतना

5.1 ऐतिहासिक उपन्यासों की पृष्ठभूमि

5.1.1 भुवन विक्रम

5.1.2 देवगढ़ की मुस्कान

5.1.3 गढ़कुंडार

5.1.4 मृगनयनी

5.1.5 महारानी दुर्गावती

5.1.6 विराटा की पद्मिनी

5.1.7 टूटे कोंटे

5.1.8 माधवजी सिंधिया

5.1.9 अहिल्याबाई

5.1.10 कचनार

5.1.11 मुसाहिबजू

5.1.12 झाँसी की रानी

5.1.13 रामगढ़ की रानी

5.2 संस्कृति

5.2.1 रीति रिवाज

5.2.1.1 विवाह से संबंधित रीति-रिवाज

5.2.1.2 जातिगत से संबंधित रीति-रिवाज

5.2.1.3 युद्ध और विजय से रीति-रिवाज

5.2.1.4 मृत्यु संस्कारों से संबंधित रीति-रिवाज

5.2.1.5 अन्य रीति-रिवाज

5.2.2 धर्म

5.2.2.1 देव-दर्शन

5.2.2.2 तीर्थयात्रा

5.2.2.3 अन्ध विश्वास

5.2.3 पर्व-त्यौहार

5.2.4 खान-पान

5.2.5 आमोद-प्रमोद और क्रिडाएँ

5.2.6 वेश-भूषा

5.2.7 कलाएँ

5.2.7.1 चित्रकला

5.2.7.2 मूर्तिकला

5.2.7.3 संगीत कला

5.2.7.4 नृत्य कला

5.2.7.5 स्थापत्य कला

5.2.3 स्वदेश

5.2.3.1 बुन्देलखंड के प्राकृतिक चित्रण

5.2.3.1.1 नदियों का वर्णन

5.2.3.1.2 पहाड़ियों का वर्णन

5.2.3.1.3 झील का वर्णन

5.2.3.1.4 वन वृक्ष व झाड़ी-झाखाड़ों का वर्णन

5.2.3.2 बुन्देलखंड के तीज-पर्व और त्यौहार

5.2.3.2.1 चैत्र की नवरात्र और पूजन

5.2.3.2.2 होली

5.2.3.2.3. अक्षय तृतीया

5.2.3.3 बुन्देलखंड के अन्य आचार-व्यवहार

5.2.3.3.1 मत्स्यवेध

5.2.3.4 बुन्देलखंड की भाषा

5.2.3.5 बुन्देलखंड के गीत-लोकगीत

5.2.3.6 बुन्देलखंड के लोक नृत्य

5.2.4 राष्ट्र

5.2.4.1 राष्ट्रीयता का स्वरूप

5.2.4.2 राष्ट्रीयता की परिभाषा

5.2.4.3 राष्ट्रीय भावना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

5.2.4.3.1 जाति, धर्म और संप्रदाय के प्रति विरोध

5.2.4.3.2 सत्याग्रह आन्दोलन की अभिव्यक्ति

5.2.4.3.3 राज्य तथा राष्ट्र के प्रति किया गया त्याग

5.2.4.3.4 रूढ़ियों तथा अंधविश्वासों का विरोध

5.2.4.3.5 देश प्रेम की भावना

षष्ठ अध्याय

वृन्दावनलाल वर्मा के उपन्यासों का शिल्प

6.1 शिल्प का शाब्दिक अर्थ

6.2 शिल्प की परिभाषाएँ

6.3 उपन्यास शिल्प के विभिन्न अंग

6.3.1 कथानक

6.3.2 पात्र एवं चरित्र-चित्रण

6.3.3 संवाद कौशल

6.3.4 देशकाल और वातावरण

6.3.5 उद्देश्य

6.3.6 भाषा शैली

6.3.6.1 ऐतिहासिक उपन्यासों की भाषा शैली

6.3.6.1.1 शब्दचयन

6.3.6.1.2 कहावत लोकोक्ति

6.3.6.1.3 मुहावरे

6.3.6.1.4 सूक्तियाँ

6.3.6.2 सामाजिक उपन्यासों की भाषा शैली

6.3.6.2.1 शब्दचयन

6.3.6.2.2 कहावत लोकोक्ति

6.3.6.2.3 मुहावरे

6.3.6.2.4 सूक्तियाँ

6.4. लेखन शैली

6.4.1 वर्णनात्मक शैली

6.4.2 भावात्मक शैली

6.4.3 विचारात्मक शैली

6.4.4 हास्य व्यंग्यात्मक शैली

- **उपसंहार**
- **संदर्भ सूची**
- **संदर्भ-ग्रंथ सूची**
  - सहायक ग्रंथ सूची।
  - उपजीवी ग्रंथ ।
- **संदर्भ सूची**